विकास पर्व, दरभंगा, बिहार

23 जून 20 16

प्रमुख नेतागण, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, मीडिया के मेरे बन्धु, भाइयो और बहनों ! आज वास्तव में मिथिला की धरती पर आने का मुझे जो सौभाग्य मिला मैं उसके लिए आप सब का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ | अभी-अभी आते हुए मैं हराई तालाब जो मुझे बहुत ही सुन्दर तालाब लगा, तो मैंने संजय भाई से पूछा कि अरे इतना अच्छा सुन्दर तालाब है, यहाँ पर कुछ करते क्यूँ नहीं हो ! तो वो बोले आप ने अभी एक ही तालाब देखा हमारे यहाँ तो 30-30 तालाब हैं दरभंगा में | तीन बड़े प्रमुख तालाब हैं हराई, दिग्घी, गंगा सागर, एक से बढ़ के एक बड़ा तालाब, मैंने पूछा पर्यटकों के लिए क्या कर रहे हो ? बोले क्या करें यहाँ पर कुछ होता ही नहीं है, यहाँ पर सरकार को बोल-बोल के थक गया कि कुछ पर्यटन की यहाँ पर सहूलतें प्रदान करी जाएं | तो मैंने उनको कहा है कि मैं जाते ही अपनी कंपनी Rural Electrification Corporation (REC) जो हजारों करोड़ रूपए राज्य सरकार को यहाँ पे विद्युतीकरण का काम करने के लिए, विद्युतीकरण में सुधार लाने के लिए देती हैं मैंने उनको कहा है कि REC द्वारा यहाँ पर तालाब में पर्यटन का काम शुरू करने के लिए आप नगर निगम के महापौर जी, कहाँ हैं? महापौर जी आप ज़रा तुरंत एक प्रस्ताव भेजिए Rural Electrification Corporation Limited को और उनकी सहायता से आप यहाँ पर पर्यटन का काम जल्द से जल्द शुरू करिए जिससे यहाँ के सभी भाई-बहन को शाम के समय अगर तालाब में नाव में घूमना हो और वो भी नाव Diesel की नाव नहीं ई-नाव यहाँ पे लगवाएं Electric नाव जिससे दरभंगा में प्रदूषण भी नहीं होगा |

वैसे आज सुबह यहाँ आने से पहले मैं अधिकारीयों से पूरा ब्योरा ले रहा था क्या-क्या काम हुआ है, जिसके लिए केंद्र सरकार से पहले का और अभी का मिला के Rs 10,000 करोड़ से भी अधिक आर्थिक सहायता मंज़ूर की गई है लेकिन काम नहीं हो रहा था | आपकी जानकारी के लिए मैं निरंतर पटना आके इस काम की पूरी रिपोर्ट लेता हूँ, अभी-अभी पीछे गोवा में पॉवर मंत्रियों की जो कांफ्रेंस की गई और ऐसी हमने चार Conferences की हैं प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार आने के बाद | पहली Power Ministers Conference दिल्ली में की गई, दूसरी गुवाहाटी में, तीसरी कोच्चि में, दिल्ली, गुवाहाटी, कोच्चि और अभी-अभी पिछले हफ्ते गोवा में सभी राज्यों के ऊर्जा मंत्रियों, सभी राज्यों के अधिकारीयों के साथ एक विस्तार से मीटिंग हुई प्रधानमंत्री मोदी जी का सपना है कि हर घर को चौबीसों घंटे बिजली मिले, सस्ती बिजली मिले, अच्छी बिजली मिले इस सपने को साकार करने के लिए जो केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है उसका पूरा रिव्यु हमने गोवा में किया और आज सुबह मैंने दरभंगा में किया | मैं आप सब को कहना चाहता हूँ कि केंद्र सरकार की निगरानी के कारण, लगातार दबाव बनाने के कारण अब पूरे देश में हर घर तक हम बिजली 2022 नहीं, 2019 तक ही पहुंचा देंगे, गरीब हो, अमीर हो, हर घर तक बिजली पहुँचाने की ज़िम्मेदारी लेकर इस काम की कल्पना की गई है, इस काम को तेज़ी से प्रगति में लगाया गया है और मैं आज ही सुबह अधिकारीयों को जो बाकी गाँव बचे हैं जहाँ विद्युतीकरण नहीं पहुंचा वहां के बारे में कह रहा था उन्होंने मुझे कहा हम जून तक पहुंचा देंगे, मंगल पाण्डेय जी थे मेरे साथ में, तो जब उन्होंने टारगेट दिया कि हम जून तक बाकी गाँव में बिजली पहुंचाएंगे तो मैंने आज उनको कहा है कि ये हमें ज़रा भी मंज़ूर नहीं है, हमने तय किया है दिसम्बर तक अधिकांश गाँव और अगर कुछ रह जाते हैं ख़ासतौर पे बहुत घने जंगलों के गाँव तो मार्च तक हर गाँव तक बिजली पहुँच जाए और आज ही अधिकारियों को मैंने कहा है कि उनकी ज़िम्मेदारी रहेगी और हम उसको लगातार दबाव बनाए रखेंगे, लगातार इसकी

मोनिटरिंग करेंगे जिससे बिहार में एक भी गाँव न बचे जहाँ पे बिजली नहीं पहुंचे मार्च 2017 तक, अगले 9 महीने के अन्दर, जितने मझले-टॉले-धानी दूर-दराज़ के इलाकों के हैं, गाँव में तो बिजली पहुंचा देंगे पर आगे मझले-टॉले-धानी तक जब बिजली नहीं पहुंचेगी तो घरों तक कैसे पहुंचेगी ? तो हमने अधिकारियों को समय सीमा दी है कि बिहार में जो एक करोड़ से भी अधिक अभी तक घर हैं जिनमें बिजली नहीं पहुंची है, जिनको एक सामान्य सुविधा विद्युतीकरण की नहीं मिली है उनको 2018 तक हर घर को बिजली से जोड़ने का केंद्र सरकार ने जो काम लिया है और जिसके लिए हम हजारों करोड़ की राशि राज्य सरकार को दे रहे हैं उसको राज्य सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि बिहार का एक भी घर नहीं रहे, एक भी गरीब परिवार, जिसको बिजली 2018 तक नहीं पहुंचे और 2019 तक पूरे विद्युतीकरण का जो ढांचा है उसको सुधार करके हम गाँव-गाँव में, घर-घर में चौबीसों घंटे बिजली पहुंचाएं ये ज़िम्मेदारी के साथ सभी अधिकारी काम में लगे हैं | आज अधिकारियों ने मुझे विश्वास दिलाया है कि हर गाँव तक मार्च 2017 तक बिजली पहुँचाना और हर घर तक 2018 के अंत तक बिजली पहुँचाने की ज़िम्मेदारी केंद्र सरकार ने उन्हें दी है वो उसको पूरा करेंगे और आप सब के समक्ष इसकी समय-समय पे जानकारियां देंगे जिससे मेरे प्रेस के बन्धु, जिससे सभी नागरिक इसको मॉनिटर कर सकें, इसको देख सकें | मुझे आज सुबह बहुत ख़ुशी हुई जब बताया गया कि दरभंगा एक ऐसा इलाका है जहाँ पे चोरी भी कम होती है, लोस्सेस भी कम होते हैं, जब मैं रिव्यु कर रहा था और मुझे ध्यान में आया कि दरभंगा में मात्र 20-22% loss है बाकी बिहार की स्थिति तो बहुत ही गंभीर है, 50% से अधिक बिजली की खपत में कहीं चोरी होती है, कहीं ट्रांसमिशन में लोस होता है, ढांचा ख़राब होने के कारण अधिकांश लोस बिहार के अन्य-अन्य क्षेत्रों में होता है पर दरभंगा की स्थिति मुझे बताई गयी बाकी इलाकों से बेहतर है, एवरेज ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली मिलती है दरभंगा में तो मैंने आज निर्देश दिए हैं अधिकारियों को कि दरभंगा में जिस इलाके में इमानदारी से अपना बिल पे करते हैं, जिस इलाके में चोरी और जिस इलाके में लोस कम होता है उसको चौबीस घंटे बिजली मिलनी चाहिए | तो अब मैंने आदेश दिया है कि दरभंगा के लोग इमानदारी से अपना काम कर रहे हैं, लोग बिल पे कर रहे हैं तो पहले दरभंगा को चौबीस घंटे बिजली दीजिए उससे बाकी राज्य में भी लोग देखेंगे कि इमानदारी के फलस्वरूप दरभंगा को चौबीस घंटे बिजली मिली है, ग्रामीण इलाकों में भी उससे बाकी इलाकों के लोगों को भी प्रोत्साहन होगा कि वो भी इमानदारी से अपना बिल भुगतान करें |

भाइयो और बहनों मैंने ये कई बार कहा है चोरी कोई गरीब आदमी नहीं करता है, अधिकांश चोरी, अधिकांश बिल ना भरने का काम बड़े लोग करते हैं, कोई ये गलत फ़हमी में ना रहे की मेरे देश के गरीबों की वजह से ये बिजली की व्यवस्था इतनी बिगड़ी है आखिर जिस आदमी का बिल ही Rs 100-200 आता है वो क्या तो चोरी करेगा बिजली की और क्या linesman को रिश्वत देगा | चोरी गरीब नहीं करता है, चोरी तो वो आदमी करता है जिसका बिल एक लाख रूपए, दो लाख रूपए, पांच लाख रूपए है, उनकी चोरी में अधिकारी शामिल होते हैं, उनकी चोरी की वजह से ये व्यवस्था बिगडती है | मुझे अधिकारियों ने विश्वास दिलाया है कि अगले तीन वर्षों में बिहार में जो आज लगभग 40-45% बिजली का लोस्सेस होते हैं इसको घटाके वो 15% से नीचे ले आएं और उज्वल डिस्कॉम एसोरन्स योजना, उदय, के तहत हम इसकी बहुत निगरानी कर रहे हैं इसके लिए सहायता भी दे रहे हैं, राज्य सरकार को |

किसानों को आज यहाँ पे बिजली नहीं मिलती है मुझे आज बताया गया, मात्र 3-4% बिजली किसानों को प्राप्त होती है, मैंने पूछा बाकी किसान कैसे चलाते हैं तो बताया गया कि उनको diesel generator पे अपना pump चलाना पड़ता है | बहुत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, केंद्र सरकार ने लगभग Rs 6,000 crore की लागत से योजना बनाई है, बिहार के लिए जिससे अलग लाइन बनेगी और अलग लाइन से बिजली दी जाएगी किसानों को

जिससे पर्याप्त मात्रा में, सही समय पे किसानों को बिजली मिले और किसानों को diesel pump नहीं लगाना पड़ेगा, हम ग्रिड से किसानों को अलग लाइन लगाके उनको बिजली देंगे, किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले, सही समय पे पानी मिले जिससे आगे आने वाले दिनों में भारत के किसानों की आमदनी दुगनी हो सके, इस प्रकार की योजना केंद्र सरकार ने रखी है | आज ही मैं सुबह उसका रिपोर्ट लेके आया हूँ, उन्होंने विश्वास दिलाया है कि अगले तीन चार महीने में इसका टेंडर हो जाएगा और उसका काम शुरू करेंगे, पूरे बिहार राज्य में अलग लाइन से हमारे किसान भाइयों को बिजली मिले और पर्याप्त बिजली समय पे मिले ये सुनिश्चित करने के लिए दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना केंद्र सरकार ने शुरू किया है |

साथ ही साथ मुझे बताया गया कि एक बहुत बड़ी समस्या है कि यहाँ पे लोग निवेश नहीं करते, नया उद्योग नहीं आता, पुराने भी चीनी कारखाने सब लगभग ठप पड़े हैं! इसका एक बड़ा कारण ये भी है कि बिजली उनको समय पे नहीं मिलती है, एक बड़ा कारण ये भी है कि लोगों को आने-जाने की सुविधा में बड़ी कठिनाई होती है | यहाँ पे रेलगाडी की भी व्यवस्था नहीं है, पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और साथ ही साथ जो एअरपोर्ट है ये आर्मी का एअरपोर्ट होने के कारण इसमें commercial plane आना-जाना allow नहीं किया जाता | मुझे मंगल पाण्डेय जी ने, संजय सरौगी जी ने, कुश्वाहा जी ने, सब ने कहा कि अगर दरभंगा में aeroplane से connectivity हो जाए पटना से, बाकी इलाकों से, तो निवेश भी बढ़ सकता है, उद्योग भी बढ़ सकता है, नए रोज़गार के अवसर उत्पन्न हो सकते हैं | तो मैंने दरख्वास्त किया है कि अब राज्य सरकार , एक केंद्र को Regional Connectivity Plan के तहत अगर प्रपोजल भिजवा दे तो अभी 15 जून को भारत सरकार ने Regional Connectivity Plan के तहत देश के 7500 छोटे-छोटे जो एअरपोर्ट हैं जहाँ पे प्लेन नहीं उतर पाते हैं क्यूंकि उसमें कई जगह व्यवस्था नहीं है, कई जगह स्ट्रिप छोटी है, कई जगह डिफेंस के एअरपोर्ट हैं, वैसे दरभंगा का तो एअरपोर्ट की एयर स्ट्रिप 6 km लम्बी है मुझे बताया गया कि देश के एअरपोर्ट में से सबसे अधिक पट्टी जिन हवाई अड्डों की है उसमें से दरभंगा एक है, तो अगर राज्य सरकार से आप एक प्रपोजल भिजवा दें जल्द से जल्द तो हम इस को Regional Connectivity Plan के तहत दरभंगा को बाकी इलाकों से जोड़ा जाए और मैं आपके साथ स्वयं चलूँगा मंगल जी परिकर साहब के पास की इस एअरपोर्ट में एक समय सीमा तय करके प्राइवेट प्लेन के द्वारा, एयर इंडिया के द्वारा दरभंगा को जोड़ा जाए बाकी इलाकों से |

आपको जानके ख़ुशी होगी अगर पटना से यहाँ प्लेन आएगा तो केंद्र सरकार ने इस Regional Connectivity की योजना के तहत मात्र Rs 2,500 की टिकट पे पटना से दरभंगा आदमी एयरो प्लेन से आ सकेगा | बाकी जो भुगतान है वो केंद्र सरकार करवाएगी, तो राज्य सरकार अगर इसको अनुमति दे इसमें जो Aviation Turbine Fuel, ATF लगता है उसमें थोडा sales tax वगैरा में कटोती कर दें तो हम यहाँ दरभंगा को भी बाकी इलाकों से जोड़ सकते है और वो ज़रूरी नहीं है सिर्फ पटना और भी एअरपोर्ट जो हैं कलकत्ता से भी जोड़ा जा सकता है, हो सकता है आगे आने वाले दिनों में कभी ना कभी इसको दिल्ली से भी सीधा जोड़ा जा सकेगा, उसका किराया Rs 2,500 नहीं होगा शायद उसका किराया Rs 5,000 होगा, लेकिन आप सोचिए मिथिला के इस पावन धरती पे जहाँ से वर्षों से लोग पूरे विश्व में गए हों, मुझे बताया गया कि आज मिथिला के लोग भारत में तो सब जगह हैं ही लेकिन विश्व भर में मिथिला के लोगों का पलायन हुआ है, जब यहाँ पे अवसर नहीं है तो हम चाहते हैं जो लोग बाहर गए उनको भी यहाँ निमंत्रण देना चाहते हैं वो भी अपने गाँव आएं, वो भी आप सब के घर आएं और वो भी यहाँ आके निवेश करें, यहाँ पे उद्योग लगाएं और नए उद्योग अभी टेक्सटाइल की नीति कल ही हमने पारित की, Rs 6,000 crore दे के हर वर्ष टेक्सटाइल के क्षेत्र में अधिक निवेश हो और आगे चलके एक करोड़ नए रोज़गार के अवसर कपडा के व्यापार में हों इस प्रकार की नीति कल ही मंज़ूर की है | क्यूँ ना

दरभंगा में भी कोई टेक्सटाइल पार्क बने, अगर राज्य सरकार एक प्रपोजल भेजे तो दरभंगा के लोगों का कौशल विकास करके उनको कपडा बनाने के काम में लगाया जा सकता है | और यहाँ पे एक टेक्सटाइल पार्क अगर लग जाए तो हमारे नौजवान युवा-युवतियों को अच्छे रोज़गार के अवसर दरभंगा में उपलब्ध किए जा सकते हैं, ये दोनों कार्यक्रम आप राज्य सरकार से अगर केंद्र में भेजते हैं अगर ज़मीन उपलब्ध कराई जाए, बिजली उपलब्ध करायी जाए, एक Common Affluent Treatment Plant लगाया जाए तो एक अच्छा टेक्सटाइल का पार्क बन सकता है जिसके लिए केंद्र सरकार सहायता देगी, ये सब सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए |

मैं समझता हूँ यहाँ के हमारे नौजवान भाइयों और बहनों को और इसमें ख़ास तौर उन बहनों को अच्छी सुविधा मिलेगी, उनका हाथ भी अच्छा गुणवत्ता वाले कपडे बनाने में लग जाएगा, तो बहनों को अपना आत्मनिर्भर होने का एक अवसर मिलेगा, बहनों को अपने आप अपने परिवार का पालन पोषण करने के लिए अच्छी आमदनी का एक अवसर बन सकता है | मैं चाहूँगा कि ये दोनों कार्यक्रम पे हमारे भारतीय जनता पार्टी के दोनों विधायक और हमारा यहाँ का नेतृत्व इस पे ध्यान दे इस पे काम करे |

वैसे तो मेरी एक शिकायत भी है मेरे सभी नेताओं से, शिकायत बता दूँ आप सबको ? मेरी शिकायत ये है भाई साहब कि मैं कल से मखाने के शहर में आया हूँ और मुझे आपने एक मखाना भी नहीं खिलाया अभी तक और जब आ के बैठा तो मुझे वहां एक दो मखाने के पीस पड़े हैं कुश्वाहा जी दिखाइए ! मखाना किसी और ने खा लिया है मेरे आने के बाद मुझे मखाना नहीं खिलाया गया, तो ये प्रधानमंत्री जी ने ज़रूर ये कहा था कि ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा और एक दम भ्रष्टाचार मुक्त शासन हमने देश को दिया है फिर प्रधानमंत्री जी ने कहा न सोऊंगा, ना सोने दूंगा तो रात तक हमारे कार्यकर्ताओं के साथ मैं बैठा था, रात में साढ़े ग्यारह बजे तक हम बैठे थे सब, चर्चा कर रहे थे | सुबह-सुबह सरौगी जी पहुँच गए थे कि चलो हमारे वैचारिक परिवार के सभी संगठनों के साथ बैठक है, तो ना सोऊंगा ना सोने दूंगा ये भी अभी सिद्ध हो गया लेकिन अभी तो मिथिला की धरती ने एक नया ही काम शुरू कर दिया है ना खाना खाएंगे, ना तुम्हें भी खिलाएंगे | एक बार मैं ज़रूर धन्यवाद दूंगा सभी कार्यकर्ताओं का, बहुत अच्छा मेरा यहाँ पे विकास पर्व के तहत कार्यक्रम रखा गया, बुद्धिजीवियों के साथ मुझे मौका मिला बैठने का, यहाँ के Chamber of Commerce के साथ मुझे मौका मिला बैठने का, मुझे मौका मिला सभी यहाँ के कार्यकर्ता, प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श करने का, आज सुबह मुझे मौका मिला हमारे वैचारिक परिवार के अन्य-अन्य संगठन जो मजदूर क्षेत्र में काम करते है, किसान क्षेत्र में काम करते हैं, विद्या के क्षेत्र में काम करते है, वनवासियों के क्षेत्र में काम करते हैं सभी के साथ बैठ के उनके दुःख सुख, उनकी समस्याओं के बारे में मुझे अवगत कराया गया उसके बाद मैं अपने अधिकारियों के साथ बैठ के मैंने पूरे दरभंगा और साथ ही साथ बिहार में जो विद्युतीकरण का काम हो रहा है उसकी कमियां उसकी उपलब्धियां दोनों के ऊपर गहराई से रिव्यु किया | हमारे ग्रामीण विद्युतीकरण अभियंता जो केंद्र सरकार से आ के एक-एक काम की निगरानी करते हैं और हमें रिपोर्ट देते हैं कि काम की गुणवत्ता कैसी है, काम कैसा हो रहा है, समय पे हो रहा है कि नहीं ये पूरी रिपोर्ट है जिसको आज हमने निगरानी में पूरी राज्य सरकार के साथ बैठके इसको देखा है कि क्या-क्या काम हो रहा है क्या काम नहीं हो रहा है, समय पे हो रहा है, समय पे नहीं हो रहा है, किधर-किधर टेक्नोलॉजी लगा के काम में सुधार की आवश्यकता है, किधर-किधर नई लाइनें लगनी हैं | अब देखिए दरभंगा में क्या काम हो रहा है, दरभंगा में नए सब स्टेशन 12 लग रहे हैं, 33 KV की लाइन 180 km की लग रही है, 11 KV की लाइन 1,280 km की लग रही है, LT lines की Aerial Bunched Cable जिसमें चोरी नहीं हो सकती, कटिया मार के आदमी चोरी नहीं कर सकेंगे, ऐसी LT line1,220 km की लग रही है, Distribution transformer, नए Distribution transformer, 350 लगेंगे | नए मीटर 42,468 ये

सिर्फ मैं भाइयो और बहनों दरभंगा का बोल रहा हूँ, सिर्फ दरभंगा का और इस सब की लागत Rs 240 crore केंद्र सरकार की योजना के तहत आपके डिस्ट्रिक्ट में आ रही है | विधायक जी के यहाँ पर जल्वारा में नया सब स्टेशन लग रहा है, केवटी ब्लाक में दो 5MVA के transformer लगने हैं, मुर्रैत में नया सब स्टेशन लग रहा है | मुर्रैत में जाले ब्लाक है, जाले में दो ट्रांसफार्मर लग रहे हैं 5 MVAके, ऐसे एक एक इलाके के गुस्रमा, हर्कोट, मौविहर, अथार्नोत, देंगः, सबरी, खरुवा, पटनिया, इत्वशिनगर, गंगात्शिव्राम, ऐसे बारह नए सब स्टेशन की सूची हैं यहाँ पर | हर जगह क्या-क्या काम होगा, किस ब्लाक में क्या काम होगा, कितने नए ट्रांसफार्मर लगेंगे, इतना डिटेल में दरभंगा का मैप के सहित किधर-किधर, कैसे-कैसे, क्या काम जाएगा | ऐसा ही पूरे बिहार का संरचना बनाई गई है, संरचना पे केंद्र सरकार द्वारा निगरानी रखी जाती है, ये अलग बात है की राजनीतिक वजहों से आपकी राज्य सरकार कुछ भी कहती रहे और बोर्ड लगा दे कि ये हमने किया, स्वाभाविक है केंद्र सरकार, मैं तो आके यहाँ बिजली के खम्बे नहीं लगा सकता मुझे राज्य सरकार से लगाने पड़ेंगे | लेकिन भैया दो वर्ष के पहले ये सब क्यूँ नहीं लगते थे आखिर मोदी जी की सरकार आने के बाद ही क्यूँ ये सब काम शुरू हुआ | आपके यहाँ पे ये सरकार तो कई वर्षों से हैं ना राज्य सरकार को बारह वर्ष हो गए हैं, आप पूछो दस वर्ष में कितना काम हुआ और पिछले दो वर्ष में मोदी जी के आने के बाद कैसे काम हुआ | मुझे कोई दिक्कत नहीं है किस का श्रेय कोई ले जाएगा हमने ये श्रेय के लिए काम नहीं शुरू किया है हमने कोई राजनीति और चुनाव के हार जीत के हिसाब से काम नहीं किया | आखिर हम तो बिहार में चुनाव हारे हैंना उसके बाद गंगा के ऊपर, माँ गंगा के तट पे महात्मा गाँधी सेतु के लिए कल Rs 1,742 crore केंद्र सरकार ने दिए, पैकेज के तहत एक एक जो हमने आश्वासन दिया था वो चुनावी घोषणा नहीं थी भाइयो और बहनों ये मोदी जी की प्रतिबद्धता थी कि बिहार की जनता को विकास से जोड़ना है, बिहार की जनता जो सात दशकों से इस उम्मीद में थी कि कोई एक अच्छी सरकार आए और बिहार के लोगों के जीवन में परिवर्तन करे, उस परिवर्तन की लहर, उस विकास की लहर, बिहार के एक एक घर तक पहुंचे उसके लिए केंद्र सरकार मंगल पाण्डेय जी, संजय जी, हमारे जीवेश जी, महापौर जी सभी पदाधिकारी पूरी भारतीय जनता पार्टी, हमारी केंद्र सरकार, हमारे सब जनप्रतिनिधि, हमारे सब नेता हम सब प्रतिबद्ध हैं कैसे ये विकास की लहर एक एक घर तक पहुंचा पाएं |

आखिर ये कवि विद्यापति की नगरी है, जब बिहार में एक प्रकार से देश का सबसे समृद्ध प्रदेश माना जाता था कहाँ वो पुराना ज़माना था जब नालंदा जैसे बड़े-बड़े विद्या के क्षेत्र थे यहाँ पे और कहाँ आज स्थिति ऐसी हो गई है कि जो विद्यार्थी पहले अंक में आता है उसके ऊपर आज सी.बी.आई. की जांच करवानी पड़ती है और ये दुर्भाग्य की बात है कि बिहार में इस प्रकार से शासन प्रणाली एक के बाद एक बिगडती गई और आज ये दशा बिहार की पहुँच गई है, लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ मोदी जी ने ये हम सभी मंत्रियों को निर्देश दिया है कि जो इलाके पूर्वी भारत के, उत्तर पूर्वी भारत के बिहार हुआ, झारखण्ड हुआ, छत्तीसगढ़ हुआ, उड़ीसा हुआ, पश्चिम बंगाल हुआ, असम हुआ, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मणिपुर ये जो पूरा उत्तर पूर्वी और पूर्वी भारत का इलाका वंचित रहा है, शोषित रहा है, पीड़ित रहा है विशेष ध्यान इस इलाके में दिया जाएगा, विशेष राशि, विशेष योजनाओं का लाभ बिहार की जनता को मिलेगा |

मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि एक-एक इलाके में, एक-एक जिले में बिहार के हमारे विद्युतीकरण का काम, हमारे टेलिकॉम कनेक्टिविटी का काम, स्वास्थय और शिक्षा की सेवाएं सुधारने का काम तेजी से होगा, मुझे बताया गया कि Super Specialty Hospital Darbhanga में लगे इसके लिए केंद्र सरकार Rs 100 crore भेज रही है | मुद्रा योजना के तहत हम चाहते हैं आप सब स्वयं रोज़गार से आत्मनिर्भर बनें, मुझे बताया गया कि मुद्रा

योजना में कुछ कमियां हैं, मैं आप सबसे दरख्वास्त करता हूँ आप विधायक जी को, यहाँ के हमारे नेताओं को सूची दीजिए, बताइए क्या दिक्कत आ रही है मुद्रा योजना में, मैं अधिकारियों को दिल्ली से यहाँ भेजूंगा पता लगाने के लिए, जांच करने के लिए, क्यूँ यहाँ पे मुद्रा योजना के लोन सरलता से, साधारण रूप से लोगों को नहीं मिल रहे है | हम चाहते हैं कि यहाँ का हर दुकानदार, हर छोटा उद्योगपति सभी को मुद्रा के तहत आत्मनिर्भर बनने में हम मदद करें जिससे साहूकारों के पास उनको ना जाना पड़े | मुझे बताया गया यहाँ पे बाढ़ की समस्या बहुत है, मैं समझता हूँ कि राज्य सरकार एक नदियों को जोड़ने का काम ले ले जिससे गंगा और गंगा के साथ जो बाकी नदियाँ हैं उनको जोड के भी यहाँ पे बाढ़ को कम किया जा सकता है |

अभी-अभी मैं टी.वी. पे देख रहा था गौशाला दिखाई जा रही थी, मुझे बताया गया दरभंगा की गौशाला की स्थिति अच्छी नहीं है, विधायक जी आप ज़रा इसके ऊपर पूरी एक मुझे रिपोर्ट भेजिए क्या किया जा सकता है जिससे ये गौशाला भी अच्छी बन जाए, यहाँ पे अच्छी गाय का पालन पोषण हो सके, जो बायो गैस का आपका प्लांट नहीं चल रहा है मैं लोगों को भेजके उसको भी ठीक करवा दूंगा | जो भी इस इलाके की समस्याएं आपके सामने आती हैं राज्य सरकार पे दबाव बनाइए, उनसे नहीं होता है तो हमें बताइए | केंद्र सरकार हमारे सभी भाइयों-बहनों के जीवन में एक नई उत्साह उमंग की लहर लाना चाहती है और उसमें अगर राज्य सरकार के काम में कमी होगी तो हम राज्य सरकार को भी कठघरे में खड़ा करेंगे, अधिकारियों को कठघरे में खड़ा करेंगे लेकिन भ्रष्टाचारमुक्त, विकसित भारत, ये जो भारत सरकार की आप सबको प्रॉमिस है, आप सबको जो विश्वास दिलाया है मोदी जी ने ये पूरा हम सब पूरी तरीके से करेंगे, इस आश्वासन के साथ मैं आज आपसे विदा लेता हूँ | आगे आने वाले दिनों में विकास आप सभी के घर तक, खेत तक, गाँव तक पहुंचेगा इस काम में मैं आप सबका आशीर्वाद, आप सबका सहयोग और आप सबकी सहभागिता की उम्मीद से आज यहाँ से जा रहा हूँ |

बहुत बहुत धन्यवाद!